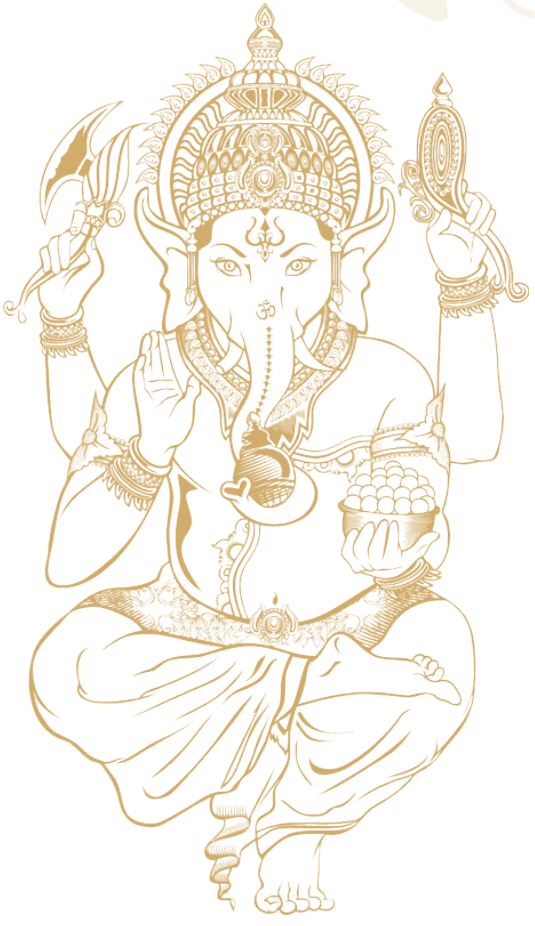

Mr.lochan

06 Nov 2025

05:02 AM

Nawada

Model: web-freekundliweb

Order No: 120033505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**5-06/11/2025**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:02:00 घंटे**
इष्ट	57:40:24 घटी
स्थान	**Nawada**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:54:00 उत्तर
रेखांश	85:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:14:12 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	08:15:59 घंटे
सूर्योदय	05:57:50 घंटे
सूर्यास्त	17:04:54 घंटे
दिनमान	11:07:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:35:21 तुला
लग्न के अंश	06:23:06 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:23:06	320:19:26	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			तुला	19:35:21	01:00:08	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			मेष	25:41:15	15:20:17	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	06:48:44	00:43:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध			वृश्चि	11:40:44	00:28:42	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			कर्क	00:52:46	00:01:08	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	04:34:31	01:15:06	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:22:11	00:02:17	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	22:30:44	00:08:12	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:30:44	00:08:12	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:51:56	00:02:23	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:28:42	00:01:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:16:23	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	07:31:44	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:08

लग्न-चलित

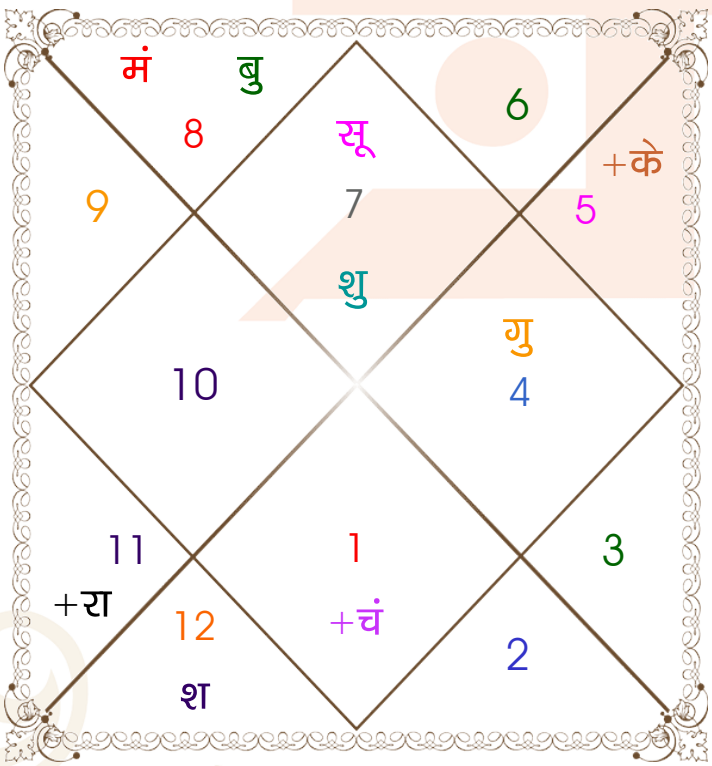

चन्द्र कुंडली

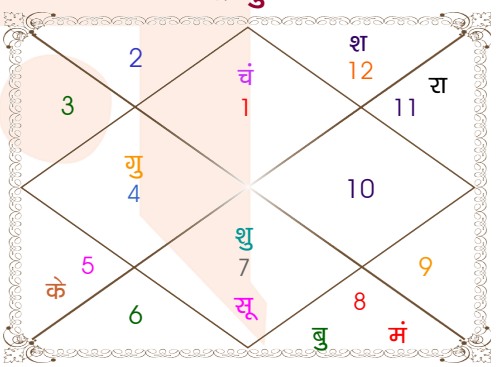

नवमांश कुंडली

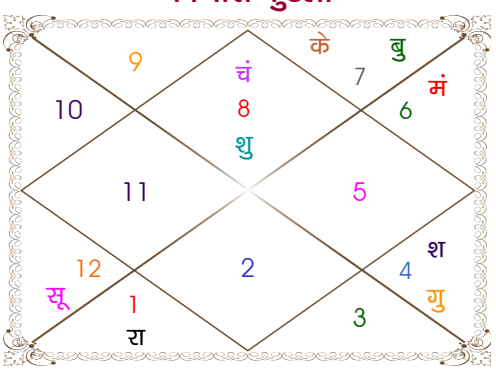

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 5 मास 18 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/11/2025		26/04/2027		26/04/2033		26/04/2043		26/04/2050	
26/04/2027		26/04/2033		26/04/2043		26/04/2050		25/04/2068	
	00/00/0000	सूर्य	14/08/2027	चंद्र	24/02/2034	मंगल	22/09/2043	राहु	06/01/2053
	00/00/0000	चंद्र	12/02/2028	मंगल	25/09/2034	राहु	10/10/2044	गुरु	02/06/2055
	00/00/0000	मंगल	19/06/2028	राहु	26/03/2036	गुरु	16/09/2045	शनि	08/04/2058
	00/00/0000	राहु	14/05/2029	गुरु	26/07/2037	शनि	25/10/2046	बुध	25/10/2060
	00/00/0000	गुरु	02/03/2030	शनि	24/02/2039	बुध	23/10/2047	केतु	12/11/2061
	00/00/0000	शनि	12/02/2031	बुध	26/07/2040	केतु	20/03/2048	शुक्र	12/11/2064
	06/11/2025	बुध	20/12/2031	केतु	24/02/2041	शुक्र	20/05/2049	सूर्य	07/10/2065
बुध	24/02/2026	केतु	25/04/2032	शुक्र	25/10/2042	सूर्य	25/09/2049	चंद्र	08/04/2067
केतु	26/04/2027	शुक्र	26/04/2033	सूर्य	26/04/2043	चंद्र	26/04/2050	मंगल	25/04/2068

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/04/2068		25/04/2084		27/04/2103		26/04/2120		27/04/2127	
25/04/2084		27/04/2103		26/04/2120		27/04/2127		00/00/0000	
गुरु	14/06/2070	शनि	29/04/2087	बुध	23/09/2105	केतु	22/09/2120	शुक्र	27/08/2130
शनि	25/12/2072	बुध	06/01/2090	केतु	20/09/2106	शुक्र	23/11/2121	सूर्य	27/08/2131
बुध	02/04/2075	केतु	15/02/2091	शुक्र	21/07/2109	सूर्य	30/03/2122	चंद्र	27/04/2133
केतु	08/03/2076	शुक्र	17/04/2094	सूर्य	27/05/2110	चंद्र	30/10/2122	मंगल	27/06/2134
शुक्र	07/11/2078	सूर्य	30/03/2095	चंद्र	27/10/2111	मंगल	28/03/2123	राहु	26/06/2137
सूर्य	26/08/2079	चंद्र	28/10/2096	मंगल	23/10/2112	राहु	14/04/2124	गुरु	25/02/2140
चंद्र	25/12/2080	मंगल	07/12/2097	राहु	12/05/2115	गुरु	21/03/2125	शनि	27/04/2143
मंगल	01/12/2081	राहु	14/10/2100	गुरु	17/08/2117	शनि	30/04/2126	बुध	07/11/2145
राहु	25/04/2084	गुरु	27/04/2103	शनि	26/04/2120	बुध	27/04/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।